IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता का प्रभाव एक : भौगोलिक अध्ययन

Prof. Shivkumar Dubey[1] and Jiyalal Rathore[2]
Professor, Department of Geography[1]
Research Scholor, Department of Geography[2]
Awadhesh Pratap Singh University, Rewa, Madhya Pradesh, India
rathaur1989@rediffmail.com

Abstract: हमारे देश मे अनेको जटिल समस्याएं है, जो देश के विकास मे अवरोध उत्पन्न करती है। जनसंख्या वृद्धि भी देश की इन्ही जटिल समस्याओ मे से एक है, जनसंख्या वृद्धि के मुल करण निर्धनता,अशिक्षा,रूठिवाहिता तथा संकीर्ण विचार आदि है, जनसंख्या वृद्धि की समस्या आज अत्यंत भयावह स्थिति मे है, जिसके फलस्वरूप देश को अनेक प्रकार की कठिनाइयो का सामना करना पड रहा है, गरीबी व अशिक्षा के ग्रामीण क्षेत्रो के लोग अनभिज्ञ से है, इन लोगो को अपनी आम भौतिक आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए संघर्ष करना पड रहा है, जनसंख्या वृद्धि की गति से मानव की आवश्यकताओ और संसाधनो की पूर्ति करना असंभव होता जा रहा हैं।

मुख्य शब्द :– जनसंख्या वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, षिक्षा काल सौन्दर्भ।

प्रस्तावना:

जनसंख्या एक क्षेत्र में रहने वाले लोगो की कुल जनसंख्या को दर्षाती है। भारत की 80 प्रतिषत जनसंख्या गॉवों में निवास करती हैं, जनसंख्या में यह तीव्र बृध्दि संभाग राज्य देष के लिए अभिषाप बनती जा रही है, इसके फलस्वरूप, गरीबी बेरोजगारी तथा महगाई आदि समस्याऐ दिनो दिन बढती जा रही है। गाव में षिक्षा की कमी और अज्ञानता के कारण तथा नगरों में गंदी बस्तियों में लोगो में षिक्षा में कमी के कारण जनसख्या लगातार बढती जा रही है। जनसख्या बृध्दि रोकने के लिए, परिवार नियोजन के विभिन्न कार्यक्रमों को शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजना संचालित कर रही हैं। ग्रामीण लडकियों को लाडली लक्ष्मी योजना के द्वारा लाभ दिया जा रहा हैं, आज हमारे देष में बालविवाह की प्रथा है, अतः बाल विवाह पर कारगार कानूनी रोक लगायी जानी

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

चाहिऐ, साथ हि लडके लडकियो की विवाह की उम्र को बढायी जानी चाहिये, हमारे देष में आज भी महिलाओं की षिक्षा का स्तर पुरूषों की आपेक्षा कॉफी कम है, महिलाओं के षिक्षित न होने के कारण व जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों को नही समझ पाती है।

अध्ययन क्षेत्रः

शहडोल संभाग के नवीन संभागो मे से एक है, भारतीय मानचित्र में इस संभाग की स्थिति $23^0 35'$ उत्तरी अक्षांश $24^0 20'$ उतरी अक्षांश तथा $28^0 20'$ पूर्वी देशान्तर सें $82^0 45'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य है, 23.5 उत्तरी अक्षांश के कर्क रेखा इस संभाग को दो बराबर भागो में विभाजित करती है। इस संभाग के अन्तगर्त 13 तहसील 12 विकासखंण्ड 03 जिलें शहडोल, उमारिया, अनूपपुर सम्मिलित है।

अध्ययन उद्देष्यः

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्वेष्य शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि एवं साक्षरता का प्रभाव एक भौगोलिक अध्ययन ज्ञात हो सकेगा।

1. शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि की जानकारी प्रस्तुत करना।
2. शहडोल संभाग की जनसंख्या घनत्व एवं लिंगानुपात की तुलनात्मक अध्ययन।
3. म0प्र0 का लिंगानुपात की जानकारी प्रस्तुत करना।
4. शहडोल संभाग के पुरूष एवं महिला साक्षरता में बदलाव के कारण उनकी आर्थिक ज्ञात हो सकेगा।

आकडो के स्त्रोतः

प्रस्तुत अध्ययन के लिऐ आधार भूत सामग्री अन्य अभिलेखों का संकलन प्राथमिक स्त्रोत एवं द्वितीयक स्त्रोत के अंतर्गत प्रस्तुत अध्ययन में शहडोल संभाग की कुल जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व लिंगानुपात का अध्ययन जिला कार्यालय शहडोल, उमरिया, अनूपपुर संभागीय पुस्तिका जनगणना रिपोर्ट के आधार पर संकलन किया गया है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

विधि तंत्रः

भौगोलिक अध्ययन हेतु विद्वानों एवं भूगोलवेताओं ने अनेक शोध विधियो का प्रयोग किया है। अध्ययन का आधार सूक्ष्म एवं व्यापक दोनो स्तर पर निर्धारित किया गया है। शोध विधि के आधार पर सभी विकासखंण्डों का प्रतिदर्ष चयन के आधार पर जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व लिंगानुपात, साक्षरता का अध्ययन किया गया है।

सारणी – 01: शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि की स्थिति 1901 – 2011

क्र.	वर्ष	कुल जनसंख्या	जनसंख्या वृद्धि प्रतिषत
01	1901	184279	–
02	1911	210750	+1.35%
03	1921	195760	– 0.74%
04	1931	235883	+1.88%
05	1941	269448	+1.34%
06	1951	294797	+0.90%
07	1961	378636	+2.53%
08	1971	476735	+2.33%
09	1981	607061	+2.45%
10	1991	666980	+2.37%
11	2001	908148	+1.70%
12	2011	1066063	+1.62%

सारणी क्र0 01 से स्पष्ट है, कि शहडोल संभाग की कुल जनसंख्या सन 1901 में 184279 थी, 1911 में 210750 जनसंख्या बृध्दि हुई सन 1921 में घटकर में 195760 हो गयी है। 1931 के बाद शहडोल संभाग की जनसंख्या लगातार बृध्दि होती गयी है, वर्तमान में शहडोल संभाग की कुल जनसंख्या 1066063 है, जो 2011 के तुलना में 1.62 प्रतिषत वृद्धि हुयी है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

सारणी – 02: शहडोल संभाग की लिंगानुपात की स्थिति 1901 से 1911 के बीच

		मध्यप्रदेष			शहडोल		
क्र.	वर्ष	कुल जनसंख्या	ग्रामीण	नगरीय	कुल जनसंख्या	ग्रामीण	नगरीय
01	1901	930	—	930	1001	1001	0
02	1911	967	973	903	1016	1016	0
03	1921	949	959	863	998	998	0
04	1931	947	957	862	995	995	0
05	1941	946	957	869	987	990	887
06	1951	945	953	902	960	964	917
07	1961	932	947	860	956	971	834
08	1971	920	934	864	943	968	825
09	1981	920	934	878	937	968	824
10	1991	912	921	887	936	959	860
11	2001	919	927	898	954	971	895
12	2011	931	936	918	974	984	936

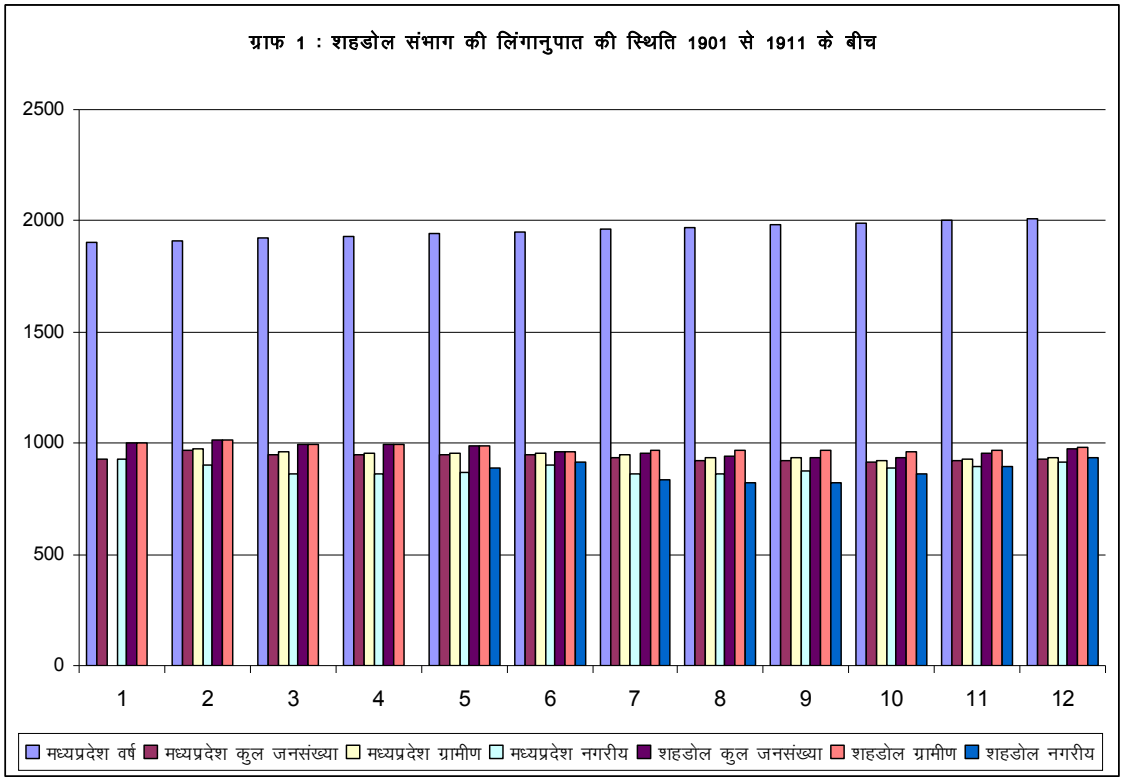

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

सारणी – 03: शहडोल संभाग : क्षेत्रफल एवं घनत्व का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0	वि0ख0	क्षेत्रफल	जनसंख्या 2011	घनत्व	जनसंख्या 2011	घनत्व
01	ब्योहारी	1097	168334	154	188149	171
02	जयसिंहनगर	1531	161717	106	185061	120
03	गोहपारू	915	801619	114	108136	118
04	सोहागपुर	1780	469242	263	188275	105
05	बुढार	1234	159841	129	177842	144
06	पुष्पराजगढ	1764	194574	110	221589	125
07	अनूपपूर	573	283595	100	105291	183
08	जैतहरी	921	83877	91	158969	172
09	कोतमा	411	105109	130	58147	141
10	मानपुर	1952	167069	86	228975	117
11	करकेली	1678	190816	86	232572	138
12	पाली	873	74945	114	107659	123

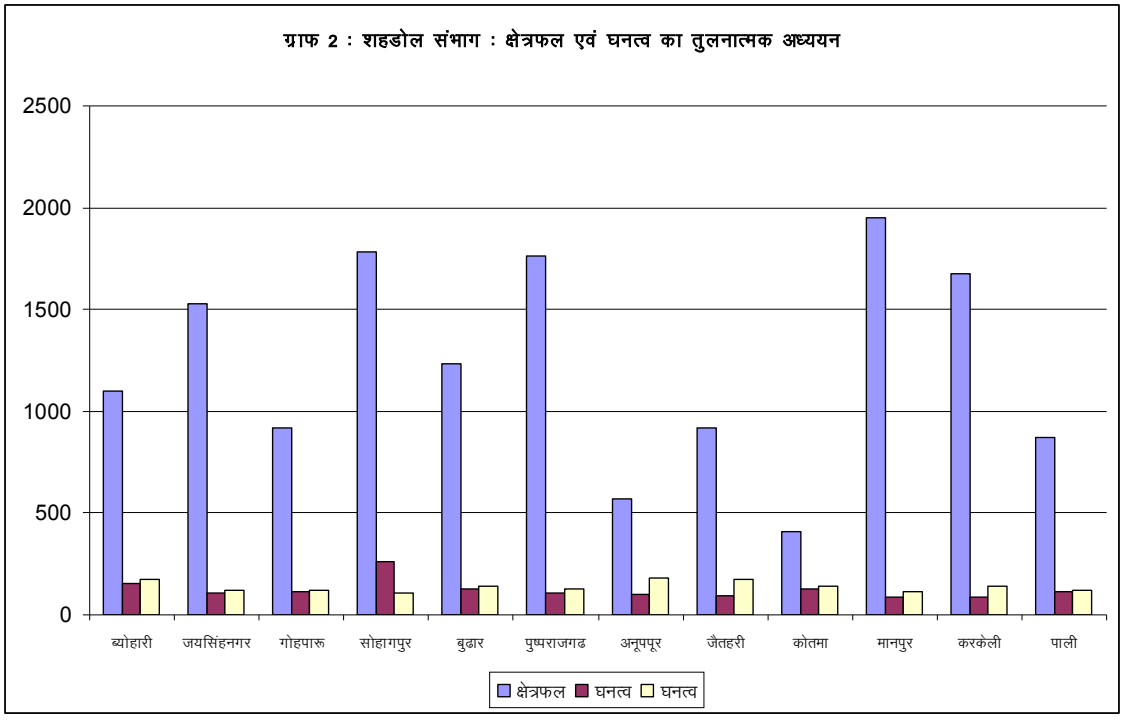

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

सारणी – 04: शहडोल संभाग की विकासखण्ड वार साक्षरता का वितरण 2011

क्र.	वि0ख0	कुल साक्षरता	प्रतिशत	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत
01	ब्योहारी	98204	62.83	59028	60.01	39176	39.08
02	जयसिंहनगर	97202	62.64	56362	57.09	40840	42.00
03	गोहपारू	95475	64.98	55938	58.05	39537	41.04
04	सोहागपुर	98821	60.23	34018	57.08	25803	43.08
05	बुढार	91999	61.03	53685	58.04	38314	41.06
06	पुष्पराजगढ	111812	60.12	65833	58.08	45179	41.01
07	अनूपपूर	59998	60.81	35000	58.03	24958	41.05
08	जैतहरी	86482	63.32	50705	58.06	35777	41.03
09	कोतमा	32601	66.09	19115	58.07	13486	41.04
10	मनपुर	40761	65.52	24255	59.05	16506	40.04
11	करकेली	56552	61.46	33993	60.01	22559	39.08
12	पाली	25387	59.58	15204	59.08	10183	40.01

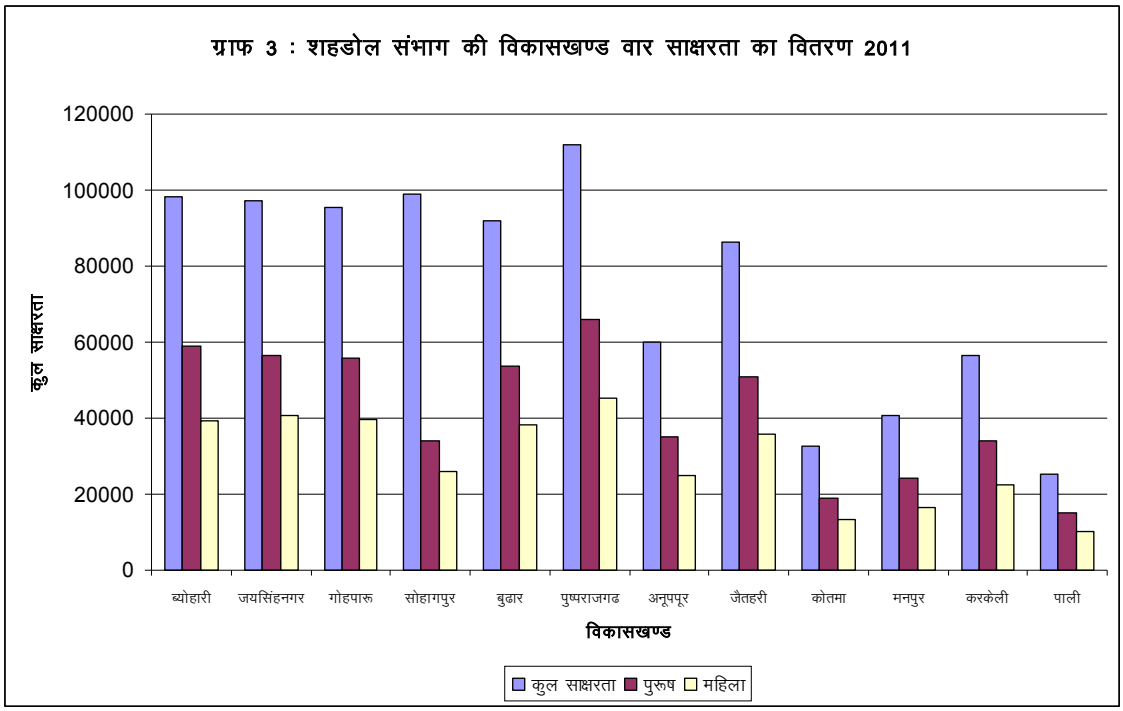

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

जनसंख्या वृद्धि दर एवं साक्षरता के प्रभाव

1. जनसंख्या लगातार बढने के कारण उनका ध्यान षिक्षा पर आकर्षित नही हो पाया ताकि उनके पास एक चुनौती थी, जैसे गरीबी,बेरोजगारी,भुखमरी, आदि जैसे समस्या थी।
2. गरीब वर्ग के लोग जनसंख्या विस्फोट अपने पेट के लिये लालन–पालन पर लगे रहतें थे। तथा उनकी अर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक स्थिति बहुत अच्छी नही थी।
3. महिलाओं के षिक्षा का स्तर पुरूषों की आपेक्षा काफी कम है। क्यो कि महिलाओं के साथ भेद भाव किया जाता है।
4. महिलाओं के षिक्षित न होने के कारण व जनसंख्या वृद्धि के दुषपरिणाम सामने आया।
5. जिन क्षेत्रों में पुरूष एवं महिलाओं का षिक्षा का स्तर बहुत कम है। वहॉ जनसंख्या लगातार बढ रही है।
6. कम उम्र में विवाह की प्रथा समाप्त हो जाये तों जनसख्या बृध्दि में सुधार होगी।
7. लडको की उम्र 21 वर्ष एवं लडकियों की उम्र 18 वर्ष है। शासन प्रषासन के द्वारा उनकी उम्र बढा देनी चाहिये। कम से कम लडको की उम्र 25 वर्ष एवं लडकियों की उम्र 22 वर्ष होना चाहियें तो जनसंख्या नियंत्रण पर सुधार होगी।

निष्कर्षः

प्रस्तुत शोध में शहडोल संभाग की जनसंख्या वृद्धि में जिले व विकासखंण्ड कुल जनसंख्या वृद्धि दर एवं घनत्व का वर्णन किया गया है। इन जिलों विकास खंण्डो में तुलनात्मक अध्ययन हेतु जनगणना विभाग के आकडो 1901 से 2011 का प्रयोग किया गया है। बढती हुयी जनसंख्या वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। हलाकि सरकार ने इस पर नियंत्रण रखने के लिऐ कुछ कदम उठाये है। लेकिन नियंत्रण पर्याप्त प्रभावी नही है। इस मुद्दे को रोकने के लिऐ कई अन्य उपाय किये जाने की आवष्यकता है।

संन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः

1. आर. सी. चादना जनसंख्या भूगोल दसवॉ संस्करण कल्याणी प्रकाषन नई दिल्ली।
2. जी.एस. गोसल 1968 लिट्रेसी इन इण्डिया एन इन्टर प्रिटेटिव स्टडी रूलर सोषियालाजी।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

3. प्रमिल कुमार 2010, मध्य प्रदेष : एक भौगोलिक अध्ययन मध्य प्रदेष हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल
4. मुनिष रजा षिक्षा और विकास के समाजिक आयाम ग्रन्थ षिल्पी प्रकाषन नई दिल्ली।
5. जिला कार्यालय – साख्यिकी पुस्तिका शहडोल, उमरिया, वर्ष 2011
6. विलियम्सन, डब्ल्यू 1977 पैन्टर्न्स ऑफ एजूकेषनल इनइक्वालिटी इन वेस्ट जर्मनी : कोपरेटिव एजूकेषन।
7. अनूपम पाण्डेय 2007 भारत का जनसंख्या भूगोल डिस्कवरी प्रकाषन प्रायवेट लिमिटेड नई दिल्ली।

Website

[1]. www.cences.2011.co.in

[2]. www.data.gov.in

[3]. www.shahdolpart.A.gov.in